

तू ही राम कहीं तू ही श्याम कहीं,
वीर महावीर प्रभु कहलाता,
तू ही तू बस नज़र आता,
दाता तू ही तू नज़र आता ॥

तू ही तो राम और श्याम है,
मारे कंश कहीं तारे वंश कहीं,
नरसिंह का रूप कहीं दिखलाता,
तू ही तू बस नज़र आता,
दाता तू ही तू नज़र आता ॥

तू ही तो गीता कुरान है,
तू ही ईशा मसीह तू वह गुरु,
तू ही शिवा तू ही खुदा कहलाता
तू ही तू बस नज़र आता,
दाता तू ही तू नज़र आता ॥

तू ही तो धरती आसमान है,
सूरज चंदा कहीं दीप पतंगा कहीं,
तारों को राजेंद्र जो चमकाता,
तू ही तू बस नज़र आता,
दाता तू ही तू नज़र आता ॥

तू ही राम कहीं तू ही श्याम कहीं,
वीर महावीर प्रभु कहलाता,
तू ही तू बस नज़र आता,
दाता तू ही तू नज़र आता ॥

गीतकार / गायक राजेन्द्र प्रसाद सोनी ।
8839262340

Source: <https://www.bharattemples.com/tu-hi-ram-kahi-tu-hi-shyam-kahi/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>